रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
विश्व पृथ्वी दिवस आज

यूपी हैंडलूम के घाटे में चल रहे शो-रूम बंद होंगे पेज 02
केवाईसी के लिए आधार को खाते से जोड़ना जरूरी पेज 17

रविवार, 22 अप्रैल 2018, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 9, अंक 16, 26 पेज+4 पेज फुरसत+4 पेज सर्च इंजन, मूल्य ₹ 4.00, वैशाख शुक्ल पक्ष, सप्तमी विक्रम सम्वत् 2075

स्पोर्ट्स

डीएफए कप में ब्लैक डेविल्स ने नेशनल फुटबाल क्लब को 3-0 से हराया

सिटी

राहगीरों को सड़क सुरक्षा का संदेश दिया, 1090 चौराहे से बाइक राइड रैली निकाली गई

युवा

लविवि में आवेदन लेने से जो छात्र-छात्राएं चूक गए हैं वे अन्य कॉलेजों में आवेदन कर सकते हैं

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान लखनऊ LIVE
रविवार, 22 अप्रैल 2018

पर्यावरण वैज्ञानिक से विशेष बातचीत

प्लास्टिक से धरती बंजर और नालियां चोक हो रहीं

पालिथीन से किस तरह का नुकसान हो रहा है?

● पालिथीन कभी नष्ट नहीं होती। इसको नष्ट करने का एक मात्र उपाय जलाना है। इसे जलाने से कार्बनडाई आक्साइड व कार्बन मोनो आक्साइड गैस निकलती है जो न सिर्फ पर्यावरण बल्कि हर जीव-जन्तु व पेड़ों को नुकसान पहुंचाती है। मनुष्यों में बीमारियों का खतरा बढ़ता है। प्लास्टिक खाने से जानवरों की मौत होती है।

भूमि को कैसे नुकसान पहुंचा रही है?

● प्लास्टिक भूमि में वर्षों तक उसी अवस्था में पड़ी रहती है। सबसे बड़ा नुकसान वाटर रिचार्जिंग का होता है। जमीन के नीचे पानी पहुंचने ही नहीं पाता लिहाजा जमीन में मौजूद वैक्टीरिया मर रहे हैं। जमीन बंजर हो रही है। शहर में पालिथीन से नालियां चोक हो रही हैं।

प्रो. भरत राज
पर्यावरण वैज्ञानिक व स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक

कैसे लगेगी रोक?

● लगभग 50 लाख लोग लखनऊ में रह रहे हैं। लगभग 15 लाख भवन हैं। एक पालीबैग रोज घरों में पहुंच रहा है। अंदाजा लगा सकते हैं कि पालिथीन का प्रयोग कितना बढ़ गया है। सरकार की सख्ती व जागरूकता के बिना अंकुश नहीं लग सकता है। जूट, कागज या कपड़े के बैग को बढ़ावा देना चाहिए।

मेडिकल वेस्ट खतरनाक

अस्पतालों का ज्यादातर कचरा प्लास्टिक फार्म में ही निकलता है। हालांकि वहां उसके निस्तारण के लिए प्लांट लगाने के सख्त निर्देश हैं लेकिन ज्यादातर अस्पताल उसे खुले में फेंक रहे हैं। उसके जरिए दूसरे लोगों तक संक्रमण फैल सकता है।